## राजस्थान पत्रिका के जयपुर संस्करण में दिनांक 17.10.20 को प्रकाशित समाचार "पौधों में पानी डाला नही, बरसों तक बिल उठते रहे" के संबंध में तथ्यात्मक – रिपोर्ट

जयपुर शहर को साफ–सुथरा, प्रदूषण मुक्त, हरितमाच्छादित करने की दृष्टि से जयपुर शहर की सडक के मध्य एवं सडकों के किनारे छोटी झाडियों के स्थान पर बडे पेड लगाये जाने का उद्यानिकी अनुभाग में नवाचार किया गया। उल्लेखनीय है कि छोटी झाडियों को सतत संधारण की आवश्यकता रहती है एवं बडे पेड लगभग 5 साल उपरांत स्वपोषित होकर पर्यावरण को साफ–सुथरा, प्रदूषण मुक्त रहने में अति सहायक होते है।

उद्यानिकी संधारण कार्य को पारदर्शिता से संपादित करने के उद्देश्य से एवं संवेदक द्वारा किये गये कार्य का शत–प्रतिशत भौतिक सत्यापन में नवीन तकनिकी विधियों का समावेश (जैसे–संवेदक द्वारा ट्रेक्टर टैंकर से पौधों को पानी देते समय का ओपन कैमरा फोटोग्राफ आवश्यक) किया गया। जिससे जविप्रा के उद्यानिकी अनुभाग में संधारित किये जा रहे पौधों की आवश्यकतानुसार, यथासमय पानी दिया जाना सुनिश्चित हुआ है। इसके अतिरिक्त कार्य की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है एवं कार्य पर मितव्ययता भी हुई है। पूर्व में संपादित किये गये उद्यानिकी संधारण कार्यों का आज दिनांक को भौतिक सत्यापन किया जाना संभव नहीं होने से समाचार पत्र में प्रकाशित तथ्यों की पुष्टि नहीं की जा सकती है।

(महेश तिवाडी)
वरिष्ठ उद्यानविज्ञ
जविप्रा,जयपुर

Scanned with CamScanner